

॥ श्री अय्यप्प सहस्रनामावलिः ॥

- ॐ शिवपुत्राय नमः
ॐ महातेजसे नमः
ॐ शिवाकार दुरंधराय नमः
ॐ शिवप्रदाय नमः
ॐ शिवज्ञानिने नमः
ॐ शैवधर्मरक्षिताय नमः
ॐ शंखधारिणि नमः
ॐ सुराध्यक्षाय नमः
ॐ चंद्रमौलये नमः
ॐ सुरोत्तमाय नमः १०
ॐ कामेशाय नमः
ॐ कामतेजस्विने नमः
ॐ कामादि फलसंयुताय नमः
ॐ कल्याणाय नमः
ॐ कोमलांगाय नमः
ॐ कल्याणफलदायकाय नमः
ॐ करुणाब्रये नमः
ॐ कर्मदक्षाय नमः
ॐ करुणारससागराय नमः
ॐ जगत्तियाय नमः २०
ॐ जगद्रक्षकाय नमः
ॐ जगदानंदसंधायकाय नमः
ॐ जयादिशक्ति संसेव्याय नमः

- ॐ जनाल्हादाय नमः
ॐ जिगीषुकाय नमः
ॐ जितेंद्रियाय नमः
ॐ जितक्रोधाय नमः
ॐ जितदेवारिसंघकाय नमः
ॐ जैमिन्यादिमुनिसेव्याय नमः
ॐ जरामरणनाशकाय नमः ३०
ॐ जनार्थनसुताय नमः
ॐ ज्येष्ठाय नमः
ॐ ज्येष्ठादिगण सेविताय नमः
ॐ जन्महीनाय नमः
ॐ जितमोहाय नमः
ॐ जनकेभिपूजिताय नमः
ॐ परमेष्ठिने नमः
ॐ पशुपतये नमः
ॐ पंकजाननपूजिताय नमः
ॐ पुरहंत्रे नमः ४०
ॐ पुरत्रात्रे नमः
ॐ परवमैश्वर्यदायकाय नमः
ॐ पवनादिसुरैस्सेव्याय नमः
ॐ पंचब्रह्मपरायणाय नमः
ॐ पार्वतीतनयाय नमः
ॐ ब्रह्मणे नमः
ॐ परनंदाय नमः

- ॐ परात्पराय नमः
ॐ ब्रह्मिष्ठाय नमः
ॐ ज्ञाननिरताय नमः ५०
ॐ गुणागुणनिरूपकाय नमः
ॐ गुणाध्यक्षाय नमः
ॐ गुणनिधये नमः
ॐ गोपालेनाभिपूजिताय नमः
ॐ गोरक्षकाय नमः
ॐ गोधनदाय नमः
ॐ गजारूढाय नमः
ॐ गजप्रियाय नमः
ॐ गजग्रीवाय नमः
ॐ गजस्कंधाय नमः ६०
ॐ गभस्तये नमः
ॐ गोपतये नमः
ॐ प्रभवे नमः
ॐ ग्रामपालाय नमः
ॐ गजाध्यक्षाय नमः
ॐ दिग्गजेनाभिपूजिताय नमः
ॐ गणाध्यक्षाय नमः
ॐ गणपतये नमः
ॐ गवांपतये नमः
ॐ अहर्षतये नमः ७०
ॐ जटाधराय नमः

- ॐ जलनिभाय नमः
ॐ जैमिन्यादिक्रृषि पूजिताय नमः
ॐ जलंधरनिहंत्रे नमः
ॐ शोणाक्षय नमः
ॐ शोणवासकाय नमः
ॐ सुराधिपाय नमः
ॐ शोकहंत्रे नमः
ॐ शोभाक्षाय नमः
ॐ सूर्यतेजसे नमः ८०
ॐ सुरार्चिदाय नमः
ॐ सुरैर्वत्याय नमः
ॐ शोणंगाय नमः
ॐ शाल्मलीपतये नमः
ॐ सज्योतिषे नमः
ॐ शरवीरघ्नाय नमः
ॐ शरश्रंदनिभाननाय नमः
ॐ सनकादिमुनिध्येयाय नमः
ॐ सर्वज्ञानप्रदाय नमः
ॐ विभवे नमः ९०
ॐ हलायुधाय नमः
ॐ हंसनिभाय नमः
ॐ हाहाहूहूमुखस्तुताय नमः
ॐ हरये नमः
ॐ हरप्रियाय नमः

- ॐ हंसाय नमः
ॐ हर्यक्षासनतत्पराय नमः
ॐ पावनाय नमः
ॐ पापकविधाय नमः
ॐ भक्तपापविनाशनाय नमः १००
ॐ भसिंतांगाय नमः
ॐ भयत्रात्रे नमः
ॐ भानुमते नमः
ॐ भयनाशनाय नमः
ॐ त्रिपुंड्रकाय नमः
ॐ त्रिनयनाय नमः
ॐ त्रिपुंड्रांकितमस्तकाय नमः
ॐ त्रिपुरघ्नाय नमः
ॐ देववराय नमः
ॐ देवारिकुलनाशकाय नमः ११०
ॐ देवसेनाधिपाय नमः
ॐ तेजसे नमः
ॐ तेजोराशये नमः
ॐ दशानननाय नमः
ॐ दारुणाय नमः
ॐ दोषहंत्रे नमः
ॐ दोर्थडाय नमः
ॐ दंडनायकाय नमः
ॐ धनुष्पाणये नमः

- ॐ धनाध्यक्षाय नमः १२०
- ॐ धनिकाय नमः
- ॐ धर्मवत्सलाय नमः
- ॐ धर्मज्ञाय नमः
- ॐ धर्मनिरताय नमः
- ॐ धनुश्मास्त्रपरायणाय नमः
- ॐ स्थूल कंठाय नमः
- ॐ स्थूलतनवे नमः
- ॐ स्थूलाक्षाय नमः
- ॐ स्थूलबाहुकाय नमः
- ॐ तसूत्तमाय नमः १३०
- ॐ तनुत्राणाय नमः
- ॐ तातकाय नमः
- ॐ तेजसांपतये नमः
- ॐ योगीश्वराय नमः
- ॐ योगनिधये नमः
- ॐ योगिने नमः
- ॐ योगासन स्थिताय नमः
- ॐ मंदारवाटिकाय नमः
- ॐ मत्ताय नमः
- ॐ मलयालचल वासभुवे नमः १४०
- ॐ मंदारसुमप्रख्याय नमः
- ॐ मंदमारुत सेविताय नमः
- ॐ महाभासाय नमः

- ॐ महावक्षसे नमः
ॐ मनोहरदामर्चिताय नमः
ॐ महोन्नताय नमः
ॐ महाकायाय नमः
ॐ महानेत्राय नमः
ॐ महाहवे नमः
ॐ मरुत्पूज्याय नमः १५०
ॐ मानधनाय नमः
ॐ मोहनाय नमः
ॐ मोक्षदायकाय नमः
ॐ मित्राय नमः
ॐ मेधायै नमः
ॐ महौजस्विने नमः
ॐ महावर्षप्रदायकाय नमः
ॐ भाषकाय नमः
ॐ भाष्यशास्त्रज्ञाय नमः
ॐ भानुमते नमः १६०
ॐ भानु तेजसे नमः
ॐ भवानीपुत्राय नमः
ॐ भीषजे नमः
ॐ भवतारण कारणाय नमः
ॐ नीलांबराय नमः
ॐ नीलनिभाय नमः
ॐ नीलग्रीवाय नमः

- ॐ निरंजनाय नमः
ॐ नेत्रत्रयाय नमः
ॐ निषादज्ञाय नमः १७०
ॐ नानारत्नोपशोभिताय नमः
ॐ रत्नप्रधाय नमः
ॐ रमापुत्राय नमः
ॐ रमायासतोषिताय नमः
ॐ राजधसेव्याय नमः
ॐ रजधनाय नमः
ॐ रणदोर्जडमंडिताय नमः
ॐ रमणाय नमः
ॐ रेणुकासेव्याय नमः
ॐ रणनीचरदारुणाय नमः १८०
ॐ ईशानाय नमः
ॐ भथराड् सेव्याय नमः
ॐ ईषणत्रयनावनाय नमः
ॐ इडावासाय नमः
ॐ हेमनिभाय नमः
ॐ हैमप्राकारशोभिताय नमः
ॐ हरिहरात्मजाय नमः
ॐ हंसाय नमः
ॐ हयग्रीय नमः
ॐ हयप्रियाय नमः १९०
ॐ हाटस्फटिक प्रख्याय नमः

- ॐ हंसरूढेन सेविताय नमः
ॐ वनवासाय नमः
ॐ वनाध्यक्षाय नमः
ॐ वामधेवाय नमः
ॐ विष्णवे नमः
ॐ विराडूपाय नमः
ॐ विशालवते नमः २००
ॐ वरग्रीवाय नमः
ॐ वरभयकरान्विताय नमः
ॐ वर्चस्विने नमः
ॐ विपुलग्रीवाय नमः
ॐ विपुलाक्षाय नमः
ॐ विनोदवते नमः
ॐ वैणवारण्यवासाय नमः
ॐ वासुदेवेनसेविताय नमः
ॐ वेत्रहसताय नमः २१०
ॐ वेदनिधये नमः
ॐ वंशदेवाय नमः
ॐ वरांकाय नमः
ॐ ह्रींकारय नमः
ॐ हृष्णाय नमः
ॐ हिरण्याय नमः
ॐ हेमसंभवाय नमः
ॐ हुताशाय नमः

- ॐ हुतनिष्पन्नाय नमः २२०
ॐ हुंकाराकृतीसुप्रभाय नमः
ॐ हव्यवाहाय नमः
ॐ हव्यकराय नमः
ॐ अट्टहासाय नमः
ॐ अपराजिताय नमः
ॐ अणुरूपाय नमः
ॐ रूपकराय नमः
ॐ अजराय नमः
ॐ अननुरूपकाय नमः
ॐ हंसमंत्राय नमः २३०
ॐ हुतभुजे नमः
ॐ हेमंबराय नमः
ॐ सुलक्षणाय नमः
ॐ नीवप्रियाय नमः
ॐ नीलवाससे नमः
ॐ निधिपालाय नमः
ॐ निरातपाय नमः
ॐ क्रोडहस्ताय नमः
ॐ तपस्त्रात्रे नमः
ॐ तपोरक्षाय नमः २४०
ॐ तपाह्याय नमः
ॐ मूर्धाभिषिक्ताय नमः
ॐ मानधनाय नमः

- ॐ मंत्ररूपाय नमः
ॐ मृडाय नमः
ॐ मेधासोमुष्णवे नमः
ॐ मकराय नमः
ॐ मकरालयाय नमः २५०
ॐ हार्ताडाय नमः
ॐ मंजुकेशाय नमः
ॐ मानपालाय वनमः
ॐ महौषधये नमः
ॐ श्रोत्रियाय नमः
ॐ शोभमानाय नमः
ॐ पवित्रे नमः
ॐ सर्वदेशिकायव नमः
ॐ चंद्रहासाय नमः
ॐ शमाय नमः २६०
ॐ शक्ताय नमः
ॐ शशिभासांगाय नमः
ॐ समाधिकाय नमः
ॐ सुदंडाय नमः
ॐ सुकपोलाय नमः
ॐ षड्वर्णाय नमः
ॐ संपदोधिपाय नमः
ॐ गरलाय नमः
ॐ कालकंठाय नमः

- ॐ गोनेत्रे नमः २७०
ॐ मुखप्रभवे नमः
ॐ काशिकाय नमः
ॐ कालत्वाय नमः
ॐ श्रोशकाय नमः
ॐ क्रौंचभेदकाय नमः
ॐ घनवे नमः
ॐ मेथाविने नमः
ॐ करवीररुहाय नमः
ॐ कंदर्पदर्पहारिणे नमः
ॐ कामधात्रे नमः २८०
ॐ कपालकाय नमः
ॐ कैलासवासाय नमः
ॐ वरदाय नमः
ॐ विलोचनाय नमः
ॐ विभावसवे नमः
ॐ बभ्रुवाहाय नमः
ॐ बलाध्यक्षाय नमः
ॐ फणाफणिविभूषणाय नमः
ॐ सुंदराय नमः
ॐ सुमुखाय नमः २९०
ॐ स्वच्छाय नमः
ॐ सभासदे नमः
ॐ सभाकराय नमः

- ॐ शंक्राप्ताय नमः
ॐ शरनिवृत्ताय नमः
ॐ शरनागतपालकाय नमः
ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः
ॐ दीर्घ जिह्वाय नमः
ॐ पिंगलाक्षाय नमः
ॐ पिशाचघ्ने नमः ३००
ॐ अखेद्याय नमः
ॐ अंग्रधार्दाय नमः
ॐ भोजपालाय नमः
ॐ क्रियाकराय नमः
ॐ कृपालवे नमः
ॐ अनिषह्याय नमः
ॐ दिग्धेहाय नमः
ॐ दैन्यदाहकाय नमः
ॐ बडबापूरितमुखाय नमः
ॐ व्यापकाय नमः ३१०
ॐ विषमोचकामु नमः
ॐ वसंताय नमः
ॐ पुंगवाय नमः
ॐ पंकजासनाय नमः
ॐ विश्वदर्पाय नमः
ॐ निश्चितज्ञाय नमः
ॐ नागाभरणभूषिताय नमः

- ॐ भरताय नमः
ॐ भैरवाकाराय नमः
ॐ भरणाय नमः ३२०
ॐ वामनक्रियाय नमः
ॐ संहिस्थाय नमः
ॐ सिंहरूपाय नमः
ॐ सेनावतये नमः
ॐ सहकाराय नमः
ॐ सनातनाय नमः
ॐ सिद्धरूपिणे नमः
ॐ सिद्धधमपरायणाय नमः
ॐ आदित्यरूपाय नमः
ॐ आवत्घनाय नमः ३३०
ॐ भूपतये नमः
ॐ गृध्रनासाय नमः
ॐ योगिवर्याय नमः
ॐ उषस्तेजसे नमः
ॐ उडुप्रभाय नमः
ॐ देवादिदेवाय नमः
ॐ दैवज्ञाय नमः
ॐ पिंछचूडाय नमः
ॐ फणामणिविभूषिताय नमः
ॐ भुजंगभूषणाय नमः
ॐ भोगाय नमः

- ॐ थोगनंदकराय नमः
ॐ अभयाय नमः
ॐ पंचहस्तेन संपूज्याय नमः
ॐ पंचबाणेन सेविताय नमः
ॐ भवाय नमः
ॐ सर्वाय नमः ३५०
ॐ भानुमयाय नमः
ॐ प्रजापत्य स्वरूपकाय नमः
ॐ स्वच्छंदाय नमः
ॐ चंद्रशास्त्रज्ञाय नमः
ॐ दांताय नमः
ॐ देवमनु प्रभवे नमः
ॐ दशभुजे नमः
ॐ अमृताब्धिनिवासभुवे नमः
ॐ युवराजाय नमः
ॐ शतनिष्पन्नाय नमः ३६०
ॐ शतानंदसमागमाय नमः
ॐ गृध्राद्रिवासाय नमः
ॐ गंभीराय नमः
ॐ गंधग्राहाय नमः
ॐ गणेश्वराय नमः
ॐ गोमेधाय नमः
ॐ गंडकावासाय नमः
ॐ गोकुलैः परिवारिताय नमः

- ॐ परिवेषाय नमः
ॐ पदज्ञानिने नमः ३७०
ॐ प्रियंगुदुमवानकाय नमः
ॐ गुहावासाय नमः
ॐ गुरुवराय नमः
ॐ वंदनीयाय नमः
ॐ वदान्यकाय नमः
ॐ वृत्ताकाराय नमः
ॐ वेणुपाणये नमः
ॐ वीणादंडधराय नमः
ॐ हराय नमः
ॐ हैमील्याय नमः ३८०
ॐ होतृसुभगाय नमः
ॐ हौत्रज्ञाय नमः
ॐ ओजसांपतये नमः
ॐ पवमानाय नमः
ॐ दशाध्याक्षाय नमः
ॐ दानवानांविनाशनाय नमः
ॐ सहस्राक्षाय नमः
ॐ निमिषार्धज्ञाय नमः
ॐ निमिषाकार कारणाय नमः
ॐ विगूढाय नमः ३९०
ॐ लीढाकाराय नमः
ॐ लक्ष्मीवंद्याय नमः

- ॐ वरप्रभवे नमः
ॐ इडजाय नमः
ॐ पिंगलावासाय नमः
ॐ सुषुम्ना मध्य संभवाय नमः
ॐ भिक्षाटनाय नमः
ॐ भीमवर्चने नमः
ॐ वरकीर्तये नमः
ॐ नभेश्वराय नमः ४००
ॐ वांछातीताय नमः
ॐ वरनिधये नमः
ॐ परिनेत्ते नमः
ॐ प्रमाणकाय नमः
ॐ अप्रमेयाय नमः
ॐ अनिरुद्धाय नमः
ॐ अनंतादित्यवर्चसे नमः
ॐ वेष प्रियाय नमः
ॐ निषग्राहाय नमः
ॐ वरदानकरोत्तमाय नमः ४१०
ॐ विसिनाय नमः
ॐ वेदसाराय नमः
ॐ प्रजातंतुप्रदाय नमः
ॐ दंडविनाशनाय नमः
ॐ निमील्याय नमः
ॐ बलदात्रे नमः

- ॐ विमानवते नमः
ॐ वज्रकांडाय ॐ मः
ॐ वंशवराय नमः
ॐ वटरक्षा विशारदाय नमः ४२०
ॐ विप्रक्रीडाय नमः
ॐ विप्रपूज्याय नमः
ॐ वेलाराशये नमः
ॐ चलालकाय नमः
ॐ कोलाहलाय नमः
ॐ क्रोडनेत्राय नमः
ॐ क्रोडास्याय नमः
ॐ कपाल भृते नमः
ॐ खंजरीनटाय नमः
ॐ मंजुवाससे नमः ४३०
ॐ क्रियमानाय नमः
ॐ क्रिया प्रदाय नमः
ॐ क्रीडानाधाय नमः
ॐ केलिहस्ताय नमः
ॐ क्रोशमानाय नमः
ॐ कुलांतकाय नमः
ॐ खनकाय नमः
ॐ होतृभारिने नमः
ॐ खवासाय नमः
ॐ खचराय नमः ४४०

- ॐ वेदांतैः परितोषिताय नमः
ॐ वक्रागमाय नमः
ॐ वक्रवचसे नमः
ॐ गुणत्यागिने नमः
ॐ कुशाधिपाय नमः
ॐ पाटलाय नमः
ॐ पत्रधारिणे नमः
ॐ पुत्रिवर्धनाय नमः
ॐ पितृसच्चरिताय नमः ४५०
ॐ पौष्टये नमः
ॐ पापभस्मने नमः
ॐ फालनेत्राय नमः
ॐ पुल्लकेशाय नमः
ॐ पुल्लकयरीगृह्हरभूषिताय नमः
ॐ फणि सेव्याय नमः
ॐ पट्टभ्रदया नमः
ॐ वटवे नमः
ॐ वाग्मिने नमः
ॐ वयोधिकाय नमः ४६०
ॐ चोरनाट्याय नमः
ॐ चोरघ्नाय नमः
ॐ चौर्यवर्धनाय नमः
ॐ चंचलाक्षाय नमः
ॐ चामरकाय नमः

- ॐ मदगामिकाय नमः
ॐ खगय नमः
ॐ गुणकाय नमः ४७०
ॐ गुण निर्धुष्टाय नमः
ॐ मोचकाय नमः
ॐ मनसे नमः
ॐ मनरूपाय नमः
ॐ मंत्रदेवाय नमः
ॐ मंत्रराशये नमः
ॐ महाधृडाय नमः
ॐ स्तूपज्ञाय नमः
ॐ धनदात्रे नमः
ॐ देववंद्याय नमः ४८०
ॐ तारणाय नमः
ॐ यज्ञप्रियाय नमः
ॐ यमाध्यक्षाय नमः
ॐ इभक्रीडाय नमः
ॐ इभेक्षणाय नमः
ॐ दधिप्रियाय नमः
ॐ दुराधर्षाय नमः
ॐ दारुपालाय नमः
ॐ दनुजघ्ने नमः
ॐ रामोदराय नमः ४९०
ॐ दक्षिणामूर्तिरूपकाय नमः

- ॐ शचीपूज्याय नमः
ॐ शंखकर्णाय नमः
ॐ चंद्रचूडाय नमः
ॐ मनुप्रियाय नमः
ॐ मृडाभाय नमः
ॐ मेषवाहनाय नमः
ॐ मैधिल्याय नमः
ॐ कालकंठाय नमः
ॐ गाढगात्राय नमः ५००
ॐ गोत्ररूपाय नमः
ॐ कुलेश्वराय नमः
ॐ आनंदभैरवाराध्याय नमः
ॐ हयमेधवल पदाय नमः
ॐ दध्यन्नासक्त हृदयाय नमः
ॐ गुडान्न प्रीतमानसाय नमः
ॐ घृतान्नसक्तहृदयाय नमः
ॐ गौरंगाय नमः
ॐ गर्वभंजकाय नमः
ॐ गणेशपूज्याय नमः ५१०
ॐ गगनाय नमः
ॐ गणानांपकये नमः
ॐ गर्जिताय नमः
ॐ भस्महिनाय नमः
ॐ शशिधराय नमः

- ॐ शत्रूणांपतये नमः
ॐ अंगिरसे नमः
ॐ चराचरमयाय नमः
ॐ शांताय नमः
ॐ शंभेशाय नमः ५२०
ॐ शतातपाय नमः
ॐ वीराराध्याय नमः
ॐ वक्रगमनाय नमः
ॐ गडरूपाय नमः
ॐ गुडाकेशाय नमः
ॐ कुलधर्मपरायणाय नमः
ॐ परमेशाय नमः
ॐ प्रजापतये नमः
ॐ भावज्ञाय नमः
ॐ रवरोगघ्नाय नमः ५३०
ॐ भवसागर तारणाय नमः
ॐ चिदग्निदेहाय नमः
ॐ चिदूपाय नमः
ॐ चिदानंदाय नमः
ॐ चिदाकृतये नमः
ॐ नाट्यप्रियाय नमः
ॐ नरपतये नमः
ॐ नरनारायणार्चिताय नमः
ॐ निषादराजाय नमः

- ॐ नीहाराय नमः ५४०
ॐ नौष्ट्रे नमः
ॐ निष्टुरभाषणाय नमः
ॐ निम्न प्रियाय नमः
ॐ नीलनेत्राय नमः
ॐ नीलांगाय नमः
ॐ सिंहाक्षाय नमः
ॐ सर्वविघ्नेशाय नमः
ॐ सामवेदपरायाणाय नमः
ॐ सनकादि समराध्याय नमः
ॐ सर्वेशाय नमः ५५०
ॐ वेदांगाय नमः
ॐ पर्वतारोहणाय नमः
ॐ पूष्णे नमः
ॐ स्वर्गाय नमः
ॐ शचीनादेनपूजिताय नमः
ॐ काकिनाय नमः
ॐ कामदाहनाय नमः
ॐ दग्दपापाय नमः
ॐ धराधिपाय नमः
ॐ दामग्रंधिने नमः ५६०
ॐ शतप्तेशाय नमः
ॐ तंत्रीपालाय नमः
ॐ तारकाय नमः

- ॐ ताम्राक्षाय नमः
ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः
ॐ तिलभोज्याय नमः
ॐ तिलोदराय नमः
ॐ मांडुकर्णाय नमः
ॐ मृडाधीशाय नमः
ॐ मेघवर्णाय नमः ५७०
ॐ महोदराय नमः
ॐ मर्ताडभैरवाराध्याय नमः
ॐ मणिरूपाय नमः
ॐ मरुद्वहाय नमः
ॐ माषप्रियाय नमः
ॐ मधुपानाय नमः
ॐ मृणालाय नमः
ॐ मोहिनी पतये नमः
ॐ षडननाय नमः
ॐ सुरूपाय नमः ५८०
ॐ नुलबाय नमः
ॐ मूलाधारंबुजावाय नमः
ॐ मूलविद्या स्वरूपाय नमः
ॐ स्वादिष्ठानमयाय नमः
ॐ स्वस्थाय नमः
ॐ स्वस्तिवाक्याय नमः
ॐ सुवायुधाय नमः

- ॐ मणिपूराब्ज निलयाय नमः
ॐ महाभैरवपूजिताय नमः
ॐ अनाहताब्जरसिकाय नमः ५१०
ॐ ह्रींकाररसशताय नमः
ॐ भ्रूमध्यवासाय नमः
ॐ भ्रू कांताय नमः
ॐ भरद्वाजेन पूजिताय नमः
ॐ सहस्र सारांबुजवासाय नमः
ॐ पवित्रे नमः
ॐ सामवाचकाय नमः
ॐ मुकुंदाय नमः
ॐ गुणातीताय नमः
ॐ गुणपूज्याय नमः ६००
ॐ गुणाश्रयाय नमः
ॐ दन्याय नमः
ॐ धनभृते नमः
ॐ दाहाय नमः
ॐ धनदान करांबुजाय नमः
ॐ महाशयाय नमः
ॐ माधवाय नमः
ॐ मदगर्विताय नमः
ॐ महाकामेशनयनाय नमः
ॐ माट्टराय नमः ६१०
ॐ मोक्षिफलदाय नमः

- ॐ मद्द्वैरिकुल नाशनाय नमः
ॐ पिंगलाय नमः
ॐ पिंछ चूडाय नमः
ॐ पिशिताश पवित्रकाय नमः
ॐ सायसान्न प्रियाय नमः
ॐ पर्वपक्षमास विभासकाय नमः
ॐ वज्रभूषाय नमः
ॐ वज्रकायाय नमः
ॐ विरिंचाय नमः ६२०
ॐ वरवक्षसे नमः
ॐ विज्ञान कलिकाबृंदाय नमः
ॐ विश्वरूप प्रदर्शकाय नमः
ॐ दंभघ्नाय नमः
ॐ दमघोषघ्नयाय नमः
ॐ दासपालाय नमः
ॐ तपौजसे नमः
ॐ द्रोण कुंभाभिषिक्ताय नमः
ॐ द्रोहिनाशनाय नमः
ॐ तपातुराय नमः ६३०
ॐ महावीरेंद्र वरदाय नमः
ॐ महा संसार नाशनाय नमः
ॐ लाकिनी हाकिनी लब्दाय नमः
ॐ लवणांभोधितारणाय नमः
ॐ काकिलाय नमः

- ॐ महातीताय नमः
ॐ मायाहिनाय नमः
ॐ मदारिऐफ्र णचताय नमः
ॐ मोचकाय नमः
ॐ भगराध्याय नमः ६४०
ॐ बृहत्तनवे नमः
ॐ अक्षयाय नमः
ॐ अक्रूर वरदाय नमः
ॐ वक्रागम विनाशकाय नमः
ॐ ढाकिनाय नमः
ॐ सूर्यतेजस्विने नमः
ॐ सर्पभूषाय नमः
ॐ सङ्गरवे नमः
ॐ स्वतंत्राय नमः
ॐ सर्वतंत्रेशाय नमः ६५०
ॐ दक्षिणादिगदीश्वराय नमः
ॐ सच्चिदानंद कलिकाय नमः
ॐ प्रेमरूपाय नमः
ॐ प्रियांकराय नमः
ॐ मध्यागजदधिष्ठानाय नमः
ॐ मुक्तिदाय नमः
ॐ मुक्तिरूपकाय नमः
ॐ मुमुक्षवे नमः
ॐ कर्मफलदाय नमः

- ॐ मार्गदक्षाय नमः ६६०
ॐ कर्मराय नमः
ॐ महाबुद्धाय नमः
ॐ महाशुद्धाय नमः
ॐ शुकवर्णाय नमः
ॐ कालपाशघ्नाय नमः
ॐ कर्मबंधविमोचकाय नमः
ॐ सर्वप्रीताय नमः
ॐ सर्वारादन तत्पराय नमः
ॐ अजपाय नमः
ॐ जनहंसाय नमः ६७०
ॐ फलपाणि प्रजूपिताय नमः
ॐ अर्चिताय नमः
ॐ पर्वसे नमः
ॐ वाग्मिने नमः
ॐ वीरवेषाय नमः
ॐ विधुप्रियाय नमः
ॐ लास्यप्रियाय नमः
ॐ लयकराय नमः
ॐ लाभालाभविवर्जिताय नमः
ॐ पंचननाय नमः ६७०
ॐ पलपगुरवे नमः
ॐ पंचयज्ञ फलप्रदाय नमः
ॐ पाशवास्ताय नमः

- ॐ पापकेशाय नमः
ॐ पर्जन्यपचुगर्जिताय नमः
ॐ पापारये नमः
ॐ परमोदाराय नमः
ॐ प्रणेशाय नमः
ॐ पंकनाशनाय नमः
ॐ नष्टकर्मणे नमः ६८०
ॐ नस्टवैराय नमः
ॐ इष्टसिद्धिप्रदायकाय नमः
ॐ शुकप्रियाय नमः
ॐ सौमप्रियाय नमः
ॐ इष्टनामविधायकाय नमः
ॐ सोमरस्याय नमः
ॐ अप्रमेयाय नमः
ॐ पाषंडिने नमः
ॐ पर्वत प्रियाय नमः
ॐ पंचकृत्य परोपेताय नमः ६९०
ॐ पंचपंचाधिशायिका नमः
ॐ पद्माक्षाय नमः
ॐ पद्मवदनाय नमः
ॐ पापकाभाय नमः
ॐ प्रियंकराय नमः
ॐ कार्तस्वरांगाय नमः
ॐ गौरांगाय नमः

- ॐ गौरीपुत्राय नमः
ॐ धनेश्वराय नमः
ॐ अश्लिष्टाय नमः ७००
ॐ शिष्टदेहाय नमः
ॐ शितंशवे नमः
ॐ शुभदीधितये नमः
ॐ दक्ष द्यसाय नमः
ॐ दक्षकराय नमः
ॐ पराय नमः
ॐ कात्यायिनीसुताय नमः
ॐ मार्गणाय नमः
ॐ सुमुखाय नमः
ॐ गर्भाय नमः ७१०
ॐ नागाधीशाय नमः
ॐ नष्टपापाय नमः
ॐ कुलपाल पतये नमः
ॐ श्रेष्ठाय नमः
ॐ पवमानय नमः
ॐ प्रजादिपाय नमः
ॐ दर्शप्रियाय नमः
ॐ नर्विकाराय नमः
ॐ दीर्घकायाय नमः
ॐ दिवाकराय नमः ७२०
ॐ भेरिनाद प्रियाय नमः

- ॐ बृंदाय नमः
ॐ जृहत्सेनाय नमः
ॐ सुपालजाय नमः
ॐ सुब्रह्मण्याय नमः
ॐ ब्रह्मरसिकाय नमः
ॐ रसज्ञाय नमः
ॐ रजताद्रिभासे नमः
ॐ तमिरघ्नाय नमः
ॐ मिहिराभाय नमः ७३०
ॐ महानील समप्रभाय नमः
ॐ श्री चंदन विलिप्तांगाय नमः
ॐ श्री पुत्राय नमः
ॐ श्री तरुप्रियाय नमः
ॐ श्री लक्षावर्णाय नमः
ॐ श्री लसत् कर्णाय नमः
ॐ रजनी ध्वंसि सन्निभाय नमः
ॐ गर्वभंगाय नमः
ॐ कुशासनाय नमः
ॐ बलनायकाय नमः ७४०
ॐ आपन्न तारकाय नमः
ॐ तप्ताय नमः
ॐ तप्तकृच्चफल प्रदाय नमः
ॐ मरत् वृद्धाय नमः
ॐ महाखर्वाय नमः

- ॐ चीरवासवे नमः
ॐ शिखिप्रियाय नमः
ॐ आयुष्मते नमः
ॐ अनघाय नमः
ॐ भूताय नमः ७५०
ॐ आयुर्वेद परायणे नमः
ॐ हंसाय नमः
ॐ परम हंसाय नमः
ॐ अवधूताश्रम प्रियाय नमः
ॐ अश्ववेगाय नमः
ॐ अश्वहृदयाय नमः
ॐ ह्यधैर्यं फलप्रदाय नमः
ॐ सुमुखाय नमः
ॐ दुर्मुखाय नमः
ॐ विघ्नाय नमः ७६०
ॐ निर्विघ्नाय नमः
ॐ विघ्ननाशनाय नमः
ॐ आर्याय नमः
ॐ नाथाय नमः
ॐ बिंदु प्रियाय नमः
ॐ अंबिका पुत्राय नमः
ॐ बैदवाय नमः
ॐ आरातिघ्नाय नमः
ॐ घनग्रीवाय नमः

- ॐ ग्रीष्मसूर्य समप्रभा नमः ७७०
- ॐ किरीटने नमः
- ॐ कल्पशास्त्रज्ञाय नमः
- ॐ कल्पानल विधायकाय नमः
- ॐ ज्ञानविज्ञान फलदाय नमः
- ॐ विरिंचारि विनाशनाय नमः
- ॐ वीरबाहुवे नमः
- ॐ पूर्वजाय नमः
- ॐ वीरसिंहासनाय नमः
- ॐ विज्ञाय नमः
- ॐ वीरकार्याय नमः ७८०
- ॐ अस्त्रदानवाय नमः
- ॐ नरवीर सुहृत् भ्रात्रे नमः
- ॐ नागरत्न विभूषिता नमः
- ॐ वाचस्पतये नमः
- ॐ पुरारातये नमः
- ॐ संवर्ताय नमः
- ॐ समरेश्वराय नमः
- ॐ उरुवाग्निने नमः
- ॐ उमापुत्राय नमः
- ॐ उडुलोक सुररक्षाकाय नमः ७९०
- ॐ शृंगाररस संपूर्णाय नमः
- ॐ आर्यमाभाषाय नमः
- ॐ पाल्गुनाय नमः

- ॐ नीताय नमः
ॐ नागगंधर्व पूजिताय नमः
ॐ सुस्वप्न बोधकाय नमः
ॐ बोधाय नमः
ॐ गौरी दुस्वप्न नाशनाय नमः
ॐ चिंता परिध्वंसिने नमः
ॐ चिंतामणि विभूषिताय नमः ८००
ॐ चराचरगजत् स्रष्ट्रे नमः
ॐ चलत् कुंडल कर्णयुजे नमः
ॐ मुकुरास्याय नमः
ॐ मूलनिधये नमः
ॐ निधिद्वयनिषेविताय नमः
ॐ नीराजन प्रीतिमनसे नमः
ॐ नीलनेत्राय नमः
ॐ नयप्रदाय नमः
ॐ केदारेशाय नमः
ॐ किराताय नमः ८१०
ॐ कालत्मने नमः
ॐ कल्पविग्रहाय नमः
ॐ कल्पांत भैरवाराध्याय नमः
ॐ कंकपत्र शरायुधाय नमः
ॐ ऋतुवर्षादि मानवे नमः
ॐ दिनेवमंडलावासाय नमः
ॐ सिंधूर तिल कांकिताय नमः

- ॐ कुंकुमांकित सर्वांगाय नमः
ॐ कालकेय विनाशनाय नमः ८२०
ॐ मत्तनाग प्रियाय नमः
ॐ चिदाक्रांताय नमः
ॐ चारायपालाय नमः
ॐ बलायुधाय नमः
ॐ ओंधूक कुसुमप्रख्याय नमः
ॐ परगर्वविंजनाय नमः
ॐ विद्वत्तमाय नमः
ॐ विरादघ्नाय नमः
ॐ सचित्राय नमः
ॐ संगीतलोलुपमनवे नमः ८३०
ॐ स्निग्धगंभीर गर्जिताय नमः
ॐ तुंगवक्त्राय नमः
ॐ स्तवरसाय नमः
ॐ आभ्राभाय नमः
ॐ भ्रमरेक्षणाय नमः
ॐ लीलाकमलहस्ताब्जाय नमः
ॐ बालकंदविभूषिताय नमः
ॐ रोद्रप्रसवदुग्दाभाय नमः
ॐ शिरीषकुसुम प्रियाय नमः
ॐ त्रसत्राणकराय नमः ८४०
ॐ त्रसत्राणकराय नमः
ॐ तत्त्वाय नमः

- ॐ तत्ववाक्यार्धबोधकाय नमः
ॐ पह्लफ़ितरियसे नमः
ॐ विधातव्याय नमः
ॐ वेदमुखाय नमः
ॐ वासवेन प्रपूजिताय नमः
ॐ बहुलास्तंब कर्मज्ञाय नमः
ॐ पंचाशद्वर्णरूपकाय नमः
ॐ चिंताहीनाय नमः ८५०
ॐ अक्षयफलाय नमः
ॐ पाणिजन्मने नमः
ॐ पराजिताय नमः
ॐ गानप्रियाय नमः
ॐ गानलोलाय नमः
ॐ महेशाय नमः
ॐ विज्ञमानसाय नमः
ॐ गिरीजस्तन्यरसिकाय नमः
ॐ गिरिराजवरस्तुताय नमः
ॐ पीयूषकुंभहस्ताबाय नमः ८६०
ॐ पाव्यत्यागिने नमः
ॐ चिरंतनाय नमः
ॐ सुधालालसवक्ताब्जाय नमः
ॐ सुरद्रमफलेप्सित्साय नमः
ॐ रात्नहाटकभूषांगाय नमः
ॐ रवणाधि प्रपूजिताय नमः

- ॐ कनत्कालेयसुप्रीताय नमः
 ॐ क्रौंचगर्वविनाशकाय नमः
 ॐ अशेषजनसम्मोहाय नमः
 ॐ आयुरिद्याफलप्रदाय नमः ८७०
 ॐ अवबद्धदुकूलांगाय नमः
 ॐ हारालंकृतकंधराय नमः
 ॐ केतकीकुसुमप्रीताय नमः
 ॐ कलभैपरिवारिवाताय नमः
 ॐ चारुमंडलमध्यगाय नमः
 ॐ वीरनूपुरपादाब्जाय नमः
 ॐ वीरकंकणपाणिमते नमः
 ॐ वेदांत प्रतिपादकाय नमः
 ॐ चमरीमृगसेविताय नमः
 ॐ अम्रकूटा द्विपंचारिणे नमः ८८०
 ॐ आमनायफलदायकाय नमः
 ॐ अक्षसूत्रधृतपाणये नमः
 ॐ अक्षरोगविनाशनाय नमः
 ॐ मुकुंदपूज्याय नमः
 ॐ मोहांगाय नमः
 ॐ मुनिमानस संतोषिताय नमः
 ॐ तैलाभिषिक्तसुशिरसे नमः
 ॐ तर्णीमुक्रदिकायुताय नमः
 ॐ तटाकामनः प्रीताय नमः
 ॐ तमोगुणविनाशाय नमः ८९०

- ॐ अनामयाय नमः
ॐ अनादर्शाय नमः
ॐ अर्षनाभहृत् प्रियाय नमः
ॐ पाङ्गुगण्य दिपूर्णाय नमः
ॐ सप्ताश्चादिग्र हैस्तुताय नमः
ॐ वीतशोकाय नमः
ॐ प्रसादज्ञाय नमः
ॐ सप्तप्राणवरदाय नमः
ॐ सप्तार्चिषे नमः
ॐ त्रिनयनाय नमः १००
ॐ त्रिवेनीफलदायकाय नमः
ॐ कृष्णवर्तने नमः
ॐ वेदमुखाय नमः
ॐ केकाप्रियाय नमः
ॐ कार्तिकेयाय नमः
ॐ सारंगनिनाध प्रियाय नमः
ॐ चादकालपसंतुष्टाय नमः
ॐ विश्वमूर्तये नमः
ॐ शुद्धमुखाय नमः
ॐ शुद्धभस्मानुलेपनाय नमः ११०
ॐ शुंभध्वंसिनीसंपूज्याय नमः
ॐ रक्तकुंभ कुलांतकाय नमः
ॐ निषादादिसुर प्रीताय नमः
ॐ नमस्कारफलप्रदाय नमः

- ॐ भक्तारिप्रपंचतादायिने नमः
 ॐ सज्जीकृतसर्वायुधाय नमः
 ॐ अभयंरमंतज्ञानाय नमः
 ॐ कुब्जिकामंत्रविग्रहाय नमः
 ॐ दूम्रास्त्राय उग्रतेजस्विने नमः
 ॐ दशकंठविनाशनाय नमः १२०
 ॐ आशुगायुधहस्ताब्जाय नमः
 ॐ गदायधकरांबुजाय नमः
 ॐ पाशायुधसुपाणये नमः
 ॐ कपालायुधसद्भुजाय नमः
 ॐ सह सशीर्षवदनाय नमः
 ॐ सहस्रद्वयलोचनाय नमः
 ॐ नानाहेतये नमः
 ॐ दमष्पाणये नमः
 ॐ नानस्थिभूषण प्रियाय नमः
 ॐ आश्यामकोमलतनवे नमः १३०
 ॐ असक्तापांगलोचनाय नमः
 ॐ चारुमंडलमध्यगाय नमः
 ॐ वीरनूपुरपादाब्जाय नमः
 ॐ वीरकंकण पाणिमते नमः
 ॐ चयनादि फलप्रदाय नमः
 ॐ पशुबंधफलप्रदात्रे नमः
 ॐ वाजपेयात्मदैवताय नमः
 ॐ अब्रह्मकीटजननावनात्मने नमः

- ॐ चंपक प्रियाय नमः
- ॐ पशुपाशविभागज्ञाय नमः १४०
- ॐ परिज्ञान प्रदायकाय नमः
- ॐ कल्पेश्वराय नमः
- ॐ जातवेदसे नमः
- ॐ प्रभाकराय नमः
- ॐ कुंभीश्वराय नमः
- ॐ कुंणपाणये नमः
- ॐ कुंकुमात्तललाटकाय नमः
- ॐ शृलींद्रपत्रसंकाशाय नमः
- ॐ सिंहवक्त्रप्रमर्धनाय नमः
- ॐ कोकिलध्वनिताकर्णिने नमः १५०
- ॐ कालनाशनतत्पराय नमः
- ॐ नैयायिकर मतधनाय नमः
- ॐ बौद्धसंघविनाशनाय नमः
- ॐ हेमब्जादृतपाणये नमः
- ॐ पितृयज्ञस्वफलदाय नमः
- ॐ पितेवजनरक्षकाय नमः
- ॐ पदातिकर्मनिरताय नमः
- ॐ द्वादशाह क्रतुप्रीताय नमः
- ॐ पौंडरीकफलप्रदाय नमः
- ॐ अप्तोर्यामक्रतुमयाय नमः १६०
- ॐ वृषदाज्यप्रदायकाय नमः
- ॐ महासुरवधोदयुक्ताय नमः

- ॐ स्वास्त्रप्रत्यस्त्रवर्षकाय नमः
ॐ महावर्षतिरोधाय नमः
ॐ नागादृतकरांबुजाय नमः
ॐ नमःस्वाहावषट् नौषट् पल्लव नमः
ॐ प्रतिपादकाय नमः
ॐ महीरनदृशग्रीवाय नमः
ॐ तंत्रीवादनहस्ताग्राय नमः
ॐ संगीत प्रियमानसाय नमः १७०
ॐ चिदंशमुकुरावासाय नमः
ॐ मणिकूटा द्विसंचाराय नमः
ॐ लीलासंचारितनूकाय नमः
ॐ लिंगशास्त्रप्रवर्तकाय नमः
ॐ राकेन्दुदयुतिसंपन्नाय नमः
ॐ यागकर्मफलप्रदाय नमः
ॐ मैनाकगिरिसंचाराय नमः
ॐ मधुवंशिविनाशनाय नमः
ॐ तालखंडपुरावासाय नमः
ॐ तमालनिभतेजसे नमः १८०
ॐ हरिहरात्मजाय नमः
ॐ घृत्निनमःरायः नमः
ॐ गोप्त्रे नमः १८३
श्री हरिहरपुत्र सहप्रनामावां संपूर्ण